सौजन्य से

सांस्कृतिक मंत्रालय
भारत सरकार

HARYANA'S BIGGEST THEATRE GROUP

रास कला मंच

सफीदों, जीन्द

प्रस्तुत करता है

डॉ संजीव चौधरी कृत

निर्देशन : रवि मोहन

परसाई की चौपाल

हरिशंकर परसाई की कहानियां पर आधारित

दिनांक : 13 सितम्बर, 2016 समय : सायं 7 बजे

स्थान : दीवान बाल रंगशाला, जीन्द

सम्पर्क : 9215512300

नाट्य दल के बारे में रास कला मंच सफीदों की स्थापना इसके संस्थापक कला प्रेमी व समाज सेवी श्री रास बिहारी ने हरियाणा मे स्थित जींद जिले के एक छोटे से कस्बे सफीदों मे की। नौजवान और प्रखर रंगकर्मी रवि मोहन और मनीष जोशी की मेहनत व चेष्टाओ से आगे बढ़ी। ये नाट्य संस्था हरियाणा व देश भर मे पिछले 12 वर्षो से रंगकर्म के दायित्व का वीरता और धीरतापूर्वक सवांहन कर रही है । नाट्य दल ने कई नाट्य महोत्सवो मे सफ़ल भागीदारी निभाई है। संस्था द्वारा हम तो ऐसे ही है, दूसरा आदमी दूसरी औरत, मैं कहानी हूँ, लख्मीगाथा, शिव विवाह आदि नाटको की सफल प्रस्तुतियाँ की हैं । इनमे से "हम तो ऐसे ही हैं" के 100 से अधिक प्रदर्शन देशभर में हो चुके हैं। रास कला मंच हरियाणा की लोक नाट्य शैली पर भी काम करती आई है । संस्था ने कई चर्चित सांस्कृतिक संस्थानो जैसे :- साहित्य कला परिषद, एन जेड सी सी, डब्ल्यू जेड सी सी, एन सी जेड सी सी, भागीदारी, चुनाव आयोग भारत सरकार, हरियाणा कला परिषद, मल्टी आर्ट कल्चरल सेंटर, सूचना जनसम्पर्क, एवं सांस्कृतिक विभाग चंडीगढ़ आदि के साथ भी कार्य किया है। रास कला मंच वर्ष मे दो बार "चलो थिएटर" के नाम से राष्ट्रीय नाट्य समारोह भी आयोजित करती है। जिसमे देश की प्रसिद्ध नाट्य संस्थाओ, युवा व वरिष्ठ रंगकर्मियो द्वारा निर्देशित नाटको को आमंत्रित किया जाता है। ये संस्था हर वर्ष सात रास रंग कला सम्मान जो हरियाणा राज्य व देशभर से चयनित रंगकर्मियो को प्रदान करके उनका उत्साह वर्धन करती है।

निर्देशक के बारे में अभिनेता, निर्देशक, प्रशिक्षक और मार्गदर्शक रविमोहन "रास" रंगमंच और मीडिया के साथ पिछले लगभग 20 वर्षो से जुड़े है। 2002 मे इन्होंने अपने पिता श्री रास बिहारी जी के साथ अपना सांस्कृतिक दल रास कला मंच सफीदों के नाम से आरंभ किया और युवा निर्देशक के रूप मे पूरे देश भर मे अपनी पहचान बनाई । रवि मोहन "रास" ने अभी तक 35 नाटको का निर्देशन और 15 नाटको मे अभिनय किया है । कुरुक्षेत्र विश्वविधालय कुरुक्षेत्र से इतिहास विषय मे लघू शोध करने के बावजूद इनका रंगमंच मे व्यवसायिक रूप से आने का पूरा श्रेय ये श्रीमति डाली अहलूवालिया तिवारी व श्री कमल तिवारी जी को देते है और ये अपने आपको उनका ऋणी मानते है जिनकी वजह से इन्होने अपनी रंग-शिक्षा संगीत नाटक अकादेमी दिल्ली व राष्ट्रीय नाट्य विधालय दिल्ली के द्वारा आयोजित नाट्य कार्यशालायों मे ली व वरिष्ठ रंग-शिक्षको से रंगमंच की बारीकियों को सीखने का मौका मिला।
इन्होने भारत देश मे आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित राष्ट्रीय नाट्य समारोह मे कई नाटको की प्रस्तुतियों की है । इन्हे अपने नाटको के लिए कई रंग पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए हैं।

लेखक के बारे में डॉ. संजीव चौधरी हरियाणा के साहित्य जगत मे एक सम्मानित एवं परिचित नाम है। श्री चौधरी का जन्म 1 जनवरी 1966 को हुआ। साहित्य के क्षेत्र मे इनकी शिक्षा एम. ए. हिन्दी, पी. एच. डी. (हिन्दी नाटक) है। रंगमंच के क्षेत्र मे इनका योगदान अतुलनीय है। श्री चौधरी ने स्वरचित नाटकों/एकांकियों के सम्पूर्ण भारत में 200 से अधिक मंचन किए है। जालंधर दूरदर्शन से प्रस्तुत नाटकों मे अभिनय करने का गौरव भी इन्हे प्राप्त है। श्री चौधरी स्वरचित हिन्दी एकांकी 'सत्य श्री' का प्रसारण आकाशवाणी से भी कर चुके हैं। आकाशवाणी कुरुक्षेत्र से अभिनेता के रूप मे अनेक नाटको मे प्रतिभागिता करचुके हैं।

वर्तमान में डॉ. संजीव चौधरी मुकुन्द लाल नेशनल कॉलेज, यमुनानगर (हरियाणा) मे हिन्दी प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

नाटक के बारे में

परसाई की चौपाल हास्य व्यंग्य नाटक है जो कि वर्तमान समय की धार्मिक और राजनीतिक व्यवस्था पर कटाक्ष करता है, ये प्रस्तुति आपको हंसाने के साथ-साथ सामाजिक जीवन के हालात के प्रति सजग करती है। ये एक पल में आपको हंसने पर मजबूर करती है और अगले ही पल में झकझोर देती है। ये नाटक बाहरी आडंबर, अंधविश्वास से होते हुए भ्रष्टाचार पर केन्द्रित होता है और हमे ये सोचने पर मजबूर करता है कि हमारा देश के प्रति क्या कर्तव्य है? अक्सर हम सामाजिक बुराइयों के लिए शासन को ज़िम्मेदार ठहराते हैं, क्या सिर्फ शासन ही जिम्मेदार है? क्या जनता की कुछ ज़िम्मेदारी नहीं? इन्ही प्रश्नों का जवाब है परसाई की चौपाल।

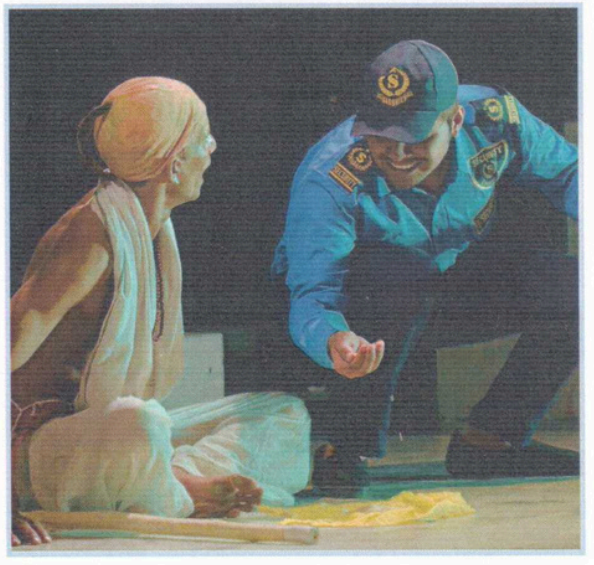

कलाकार का नाम	पात्र
गौरव सक्सेना	विदूषक–1, सूत्रधार–1, भतीजा, मंत्री, सुदामा
अभिषेक मलिक	विदूषक–2, सूत्रधार–2, भांझा, दरबारी–1
अंकित कुमार	विदूषक–3, दरबारी–2, जिन्न–4
दीपांश शर्मा	गणेश, धनीप्रताप सिंह, वानर–1, गब्बर
सतपाल	बाबा जी, वानर–2, पहरेदार–3
कविता	मेनका, जिन्न–1
राहुल शर्मा	विदूषक–4, दरबारी–3, क्लर्क, पहरेदार–1
विक्रम मलिक	विदूषक–5, दरबारी–4, भगवान श्री कृष्ण जी, जिन्न–3
अभय अवस्थी	राजा, पहरेदार–2
अश्वनी राठौर	जासूस, भरत
सोमबीर प्रजापत	टॉर्च वाले बाबा जी, किसान
पूजा पाठक	बेबो, जिन्न–2
आशीष	वानर–3, पहरेदार–4
आशीष सैनी	भगवान श्री राम जी
शुभम पन्नेजा	गायक 1
प्रदीप भाटिया	गायक 2
मास्टर रफी	संगीत निर्देशक
दीपक कुमार	संगीतकार 1
आशीष कुमार	संगीतकार 2
डॉ० संजीव चौधरी	लेखक
रवि मोहन	निर्देशक
पवन भारद्वाज	प्रकाश प्रबंधन
यशु भारद्वाज	रूपसज्जा
हरिशंकर परसाई	कहानीकार
डॉ मधुदीप सिंह	वस्त्र विन्यास
प्रस्तुति	रास कला मंच, सफीदों

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

KALA MANCH

रास कला मंच

वार्ड नं 8, नजदीक राजीव चौक,
सफीदो, जीन्द (126112) हरियाणा

दूरभाष: 92155 12300
ई–मेल: rasravimohan@gmail.com